अणु प्रश्न

प्रश्न 1 अंधेर नगरी नाटक किसने लिखा है?

प्रश्न 2 नाटक के कितने तत्व होते **हैं** ?

प्रश्न 3 मानव–समाज कब सक्रिय होता है ?

प्रश्न 4 महंत जी के दोनों शिष्यों का नाम क्या था ?

प्रश्न 5 अंधेर नगरी में सारी चीजें किस भाव बिकती **हैं ?**

प्रश्न 6 गोबरधनदास को फाँसी से कौन बचाता है?

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्र. 1 अंधेर नगरी के बारे में क्या सच नहीं है-

(क) हर व्यक्ति अपनी बला दूसरे पर टालता है।

(ख) राजा के अधिकारी चापलूस और मूर्ख हैं।

(ग) गुणों की कोई कद्र नहीं है।

(घ) राजा बहुत न्यायप्रिय है।

प्र. 2 गोबरधनदास को पकड़कर ले जाया गया क्योंकि**-**

(क) उसने अपने गुरू का कहना नहीं माना।

(ख) वह भीख **माँगकर** मिठाई खा रहा था।

(ग) किसी न किसी को **फाँसी** लगानी थी।

(घ) उस मुहूर्त में मरने वाला सीधे स्वर्ग जाता।

प्र. 3 राजा ने स्वयं **फाँसी** पर चढ़ने का निर्णय क्यों लिया?

(क) अपने को अपराधी मानकर

(ख) साधुओं को दण्ड न देने की भावना से

(ग) स्वयं मुक्ति पाने की लालसा

(घ) अपनी गर्दन फंदे के उपयुक्त मानकर

प्र. 4 महंत ने वह नगर छाड़ जाने का निर्णय क्यों लिया?

(क) सभी वस्तु टके सेर मिलने के कारण

(ख) पुलिस द्वारा रिश्वत लेने के कारण

(ग) भावी संकट की आशंका के कारण

(घ) गोबरधनदास द्वारा निंदा के कारण

प्र. 5 अंधेर नगरी की भाषा पर निम्नलिखित में से किसका प्रभाव अधिक है–

(क) राजस्थानी

(ख) हरियाणवी

(ग) बृज

(घ) मैथिली

प्र. 6 अंधेर नगरी नाटक का राजा -

(क) बुद्धिमान

(ख) ज्ञानवान

(ग) चतुर

(घ) मूर्ख

प्र. 7 टके सेर भाजी टके सेर खाजा में निहित व्यंग्यार्थ है–

(क) सभी चीजें बहुत सस्ती हैं।

(ख) एक टके की एक सेर भाजी खाओ

(ग) गुणों और मूल्यों की कोई कदर नहीं है

(घ) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न 1.आपने यह नाटक अच्छी तरह पढ़ लिया होगा। इस नाटक में आपको कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों?

प्रश्न 2.**भारतेन्दु** ने इस नाटक के माध्यम से अपने समय की शासन–व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया है–स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3.मूल्यवान वस्तुएं सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए मना क्यों किया

प्रश्न 4.अंधेर नगरी नाटक में फेरीवालों की बातों से किस प्रकार का वातावरण अभिव्यक्त हुआ है – उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 5.अंधेर नगरी नाटक लिखने के पीछे भारतेन्दु का उद्देश्य क्या था? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6.व्यंग्य शैली शासन व्यवस्था के लिए अर्थात् आलोचना के लिए सर्वाधिक उपर्युक्त शैली है–इस कथन पर अपने विचार 40–50 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 7.''लोभ पाप का मूल है, लोभ मिटावत मान। लोभ कभी नहीं कीजिए, या में नरक निदान'' महंत का यह कथन जितना अंधेर नगरी नाटक के संदर्भ में प्रासंगिक है, क्या उतना ही हमारे जीवन में भी है–पक्ष या विपक्ष में तर्क सहित लिखिए?

प्रश्न 8.अंधेर नगरी की भाषा शैली पर टिप्पणी लिखिए। ?

प्रश्न 9.अंधेर नगरी नाटक में पाचनवाला अपना चूरन बेचते हुए किन–किन लोगों **पर** व्यंग्य करता है? उन लोगों पर व्यंग्य का असली लक्ष्य क्या है ?